वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर -222003 (उत्तर प्रदेश)

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

गाँधी जयंती के अवसर पर

“नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विरुद्ध -नशा के विरुद्ध शपथ ”

अभियान

स्थान-गांधी वाटिका(विश्वविद्यालय परिसर)

दिनांक -02अक्तूबर 2022

प्रतिवेदन आख्या

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दिनांक 02 अक्तूबर 2022 को गाँधी जयंती के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विरुद्ध कर्मचारियों,प्रशासनिक अधिकारियों,विद्यार्थियों, एवं शिक्षकों को निम्नलिखित शपथ दिलाई गई-

- हमें अहसास हैं कि हमारे देश में, विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा हैं और ये चिंता का विषय हैं। हम शपथ लेते हैं की हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे।. हम वचन देते हैं कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थो का सेवन नहीं करेंगे।
- हम प्रत्येक व्यक्ति, विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे ताकि भारत का युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन-यापन कर सके और वे समाज के रचनात्मक और महत्वपूर्ण सदस्य बन सकें।
- आज हम प्रतिज्ञा करते हैं कि नशे से दूर रहेंगे और स्वस्थ जीवन-यापन करेगे।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो निर्मला एस.मौर्य,कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार,वित्त अधिकारी श्री संजय कुमार राय,नोडल अधिकारी प्रो. अजय प्रताप सिंह,डॉ. मनोज मिश्र,डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव,डॉ. राकेश कुमार यादव सहित समस्त शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी,विद्यार्थी सहित एक हजार से अधिक संख्या में लोंगों ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विरुद्ध शपथ लिया ।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गाँधी जयंती के अवसर पर नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विरुद्ध शपथ लेते हुए लोग

उनका संदेश है। प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी। कोई सेवा नहीं थी और मानवता से बड़ा आदि मौजूद थे।

विश्वविद्यालय निरंतर प्रगतिके पथ पर-प्रो. निर्मला

गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी पुष्पांजलि

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो अक्टूबर रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के साथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गांधी वाटिका में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर रामधुन गाया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए संस्थापक स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अहम भूमिका थी। उनके चिंतन से प्रेरणा लेकर विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को गांधीजी के एकादश व्रत से प्रेरणा लेकर देश के विकास में सहभागिता निभानी चाहिए। धरती के लाल पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए उनकी सादगी पर चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार उनके नारा को साकार करने के लिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। स्थापना दिवस पर

कुलाधिपति द्वारा भेजे गए संदेश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। समारोह के बाद नशा मुक्ति अभियान के तहत उपस्थित लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। रामधुन की टीम में रमेश पाल, राज नारायण सिंह, जगदंबा मिश्र, सुनील सिंह और रविंद्र तिवारी थे। गांधी वाटिका में कुलपति, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, सहायक कुलसचिव अमृतलाल अजीत सिंह दीपक सिंह श्रीमती बबीता सिंह, डॉ लक्ष्मी मौर्य समेत शिक्षक और कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। समारोह में नयन साहू और प्रांशु शुक्ला ने भक्ति गीत से लोगों को भाव विभोर कर दिया।

...का रास्ता नहीं चुना

...लाने के लिए शांतिपूर्वक विरोध ...रने में प्रभावशाली रहें। इस मौके ... कुमार, करन कुमार, विनोद कुमार, अनिल कन्नौजिया, जयप्रकाश, ...

बापूके सिद्धांतोंको आत्मसात की जरूरत-जिलाधिकारी

निरंतर प्रगति के पथ पर विश्वविद्यालय: प्रो. निर्मला

अमर भारती ब्यूरो

स्थापना दिवस पर वीर बहादुर सिंह, गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री को विश्वविद्यालय परिवार ने किया नमन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो अक्टूबर रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के साथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गांधी वाटिका में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर रामधुन गाया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए संस्थापक स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अहम भूमिका थी। उनके चिंतन से प्रेरणा लेकर विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पर अग्रसर है।

गांधी जयंती के अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को गांधीजी के एकादश व्रत से प्रेरणा लेकर देश के विकास में सहभागिता निभानी चाहिए।

धरती के लाल पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए उनकी सादगी पर चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार उनके नारा को साकार करने के लिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

स्थापना दिवस पर कुलाधिपति द्वारा भेजे गए संदेश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। समारोह के बाद नशा मुक्ति अभियान के तहत उपस्थित लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर प्रो.वंदना राय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. मानस पांडेय, प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डा.राजकुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ.रसिकेश, डॉ.राकेश यादव, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ.अमरेंद्र सिंह, डॉ पीके कौशिक, समेत शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नशा न करने की दिलाई गई शपथ

ब्यूरो आज का परिणाम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गाँधी जयंती के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नशीली दवाओं के दुरुपयोग न करने की कर्मचारियों,प्रशासनिक अधिकारियों,विद्यार्थियों, एवं शिक्षकों को शपथ दिलाई गई। शपथ में उपस्थित सभी ने समवेत स्वर में कहा कि हमें अहसास हैं कि हमारे देश में, विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा हैं और ये चिंता का विषय हैं। हम शपथ लेते हैं की हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे। हम वचन देते हैं कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे।हम प्रत्येक व्यक्ति, विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे ताकि भारत का युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन– यापन कर सके और वे समाज के रचनात्मक और महत्वपूर्ण सदस्य बन सकें। कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय,नोडल अधिकारी प्रो अजय प्रताप सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डॉ0 जान्हवी श्रीवास्तव, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी सहित बहुत संख्या में लोग उपस्थित रहे ।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, सोमवार, 3 अक्टूबर, 2022

जौनपुर 14

विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

उपलब्धि

गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी गई पुष्पांजलि

स्थापना दिवस पर वीर बहादुर सिंह, गांधीजी और लाल बहादुर शास्त्री को विश्वविद्यालय परिवार ने किया नमन

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो अक्टूबर रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के साथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गांधी वाटिका में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर रामधुन गाया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस.मौर्य ने स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए संस्थापक स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अहम भूमिका थी। उनके चिंतन से प्रेरणा लेकर विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

गांधी जयंती के अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को गांधीजी के एकादश व्रत से प्रेरणा लेकर देश के विकास में सहभागिता निभानी चाहिए। धरती के लाल पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए उनकी सादगी पर चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार उनके नारा को साकार करने के लिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। स्थापना दिवस पर माननीय कुलाधिपति द्वारा भेजे गए संदेश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है।

समारोह के बाद नशा मुक्ति अभियान के तहत उपस्थित लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। रामधुन की टीम में रमेश पाल, राज नारायण सिंह, जगदंबा मिश्र, सुनील सिंह और रविंद्र तिवारी थे। गांधी वाटिका में कुलपति, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, सहायक कुलसचिव अमृतलाल अजीत सिंह दीपक सिंह, बबीता सिंह, डॉ लक्ष्मी मौर्य समेत शिक्षक और कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। समारोह में नयन साहू और प्रांशु शुक्ला ने भक्ति गीत से लोगों को भाव विभोर कर दिया।

इस अवसर पर प्रो.वंदना राय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो. राम्नारायण, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डा. राजकुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. राकेश यादव, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. पंकि कौशिक, श्याम श्रीवास्तव, हेमंत श्रीवास्तव, श्याम त्रिपाठी सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गांधी जयंती पर विवि में नशा न करने की दिलाई गई शपथ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नशीली दवाओं के दुरुपयोग न करने की कर्मचारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शपथ दिलाई गई। शपथ में उपस्थित सभी ने समवेत स्वर में कहा कि हमें अहसास हैं कि हमारे देश में विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा हैं और ये चिंता का विषय हैं। हम शपथ लेते हैं की हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे। हम वचन देते हैं कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे। हम प्रत्येक व्यक्ति, विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे ताकि भारत का युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन-यापन कर सके और वे समाज के रचनात्मक और महत्वपूर्ण सदस्य बन सकें। अंततः सभी ने शपथ लिया कि आज हम प्रतिज्ञा करते हैं कि नशे से दूर रहेंगे और स्वस्थ जीवन-यापन करेंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रो.निर्मला एस.मौर्य, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय,नोडल अधिकारी प्रो अजय प्रताप सिंह, डॉ.मनोज मिश्र, डॉ.जान्हवी श्रीवास्तव, एनएसएस समन्वयक डॉ.राकेश कुमार यादव सहित समस्त शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी सहित बहुत संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मनाई गई गांधी जयंती

जौनपुर। मछलीशहर के मोहल्ला पुरानी बाजार वार्ड स्थित गिरिश शुक्ला के आवास पर आज एलपीजी पंचायत के तहत सत्य और अहिंसा का रास्ता दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती धूम धाम से मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राजन शुक्ला ने बताया की गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से हिंसा अत्याचार को परास्त करने के सीख दिया इसी क्रम में सभी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी चित्र पर पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई गई। इस मौके पर कृपा शंकर श्रीवास्तव, संतोष मिश्रा, साधना सिंह, शशि पांडेय, वंदना पटेल, पिंकी तिवारी, मालती शुक्ला, सौम्या शुक्ला, लक्ष्मी शुक्ला, प्रीति चौबे, सरिता, चौबे, सारथी शुक्ला, शीला पाल राजन, शुक्ला गिरिश शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

नगरपालिका में मनाई गई गांधी व शास्त्री की जयंती

मुंगराबादशाहपुर। नगर पालिका परिषद मुंगरा बादशाहपुर कार्यालय में रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष शिव गोविंद साहू एवं सभासदों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस मनाया गया। इस मौके पर सभासद रानजश पटेल, रानजस मौर्य, हरिओम केसरी, राजेंद्र कुमार, कमरुद्दीन लारी, शिवानंद वास्को अवर अभियंता जल, रामानुज शुक्ला राजस्व निरीक्षक, ज्ञान प्रकाश पटेल लिपिक, कृजकिशोर यादव लिपिक, होरीलाल, भरत लाल, अलोक, मनीष कुमार साहू, अंकित, मुकुल उपाध्याय समेत पालिका के अन्य कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई जयंती

मछलीशहर। स्थानीय तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत ताजुद्दीनपुर मे प्रधान कार्यालय पर 2 अक्टूबर को सत्य और अहिंसा का रास्ता दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूम धाम से मनाई गई। उक्त अवसर पर हरिलाल यादव ने बताया कि पूरे विश्व को सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से हिंसा और अत्याचार को परास्त करने की सीख दिया। परम पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने उनकी जयंती पर हम समस्त ग्रामवासी शत-शत नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इसी क्रम में प्रधान व ग्रामवासियों ने महापुरुषों की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर जयंती मनाई। इस मौके पर बंसराज, रमेश, हीरालाल मोहन, रविशंकर, संदीप, राजेश, आदि लोग उपस्थित रहे।